भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 17 जनवरी, 2026
जारी करने का समय: 1300 घंटे

विषय: (i) अगले एक सप्ताह के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में शीत लहर की संभावना नहीं है।
(ii) वर्तमान पश्चिमी विक्षोभ 18 तारीख तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करता रहेगा। इसके बाद, 19 और 21 जनवरी, 2026 को उत्तर-पश्चिम भारत में दो पश्चिमी विक्षोभों के आने की संभावना है।
(iii) अगले 4-5 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 17 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- पंजाब के अधिकांश हिस्सों में घने से बहुत घने कोहरे (दृश्यता <50 मीटर) की स्थिति बनी रही; उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में; हरियाणा के कुछ हिस्सों में और जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में घने कोहरे (दृश्यता 50-199 मीटर) की स्थिति बनी रही।
- दृश्यता दर्ज की गई (मीटर में ≤200 मीटर): उत्तराखंड: काशीपुर (75); पंजाब: अमृतसर (0), पटियाला (20), बठिंडा (40), फरीदकोट (15), गुरदासपुर (20)/लुधियाना (50); हरियाणा: अंबाला (0), हिसार (40), करनाल (30); जम्मू-कश्मीर: जम्मू(200), श्रीनगर(0); पश्चिम उत्तर प्रदेश: आगरा आईएएफ, एएमएस मोरादाबाद, एएमएस अलीगढ, सरसावा (आईएएफ), हिंडन (आईएएफ) और बरेली (आईएएफ) (00) प्रत्येक, मेरठ (10), बरेली (20), अलीगढ़ (25), आगरा ताज (30), शाहजहाँपुर (40), इटावा, मुजफ्फरनगर और हमीरपुर (50), मोरादाबाद और नजीबाबाद (100); पूर्वी उत्तर प्रदेशः
- पूर्वी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर की स्थिति बनी रही।
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर शीत दिवस की स्थिति बनी रही।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 0°C से नीचे था; हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तरी राजस्थान में कई जगहों पर 1-5°C; उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर; मध्य प्रदेश में कई जगहों पर 5°-10°C; ओडिशा, बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय, सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ जगहों पर; झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग जगहों पर।
- हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सौराष्ट्र और कच्छ, झारखंड और बिहार में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-3°C से -6°C) था और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब था। (परिशिष्ट IV देखें)
- भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.0°C नारनौल (हरियाणा) में दर्ज किया गया। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 0°C से नीचे था; हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तरी राजस्थान में कई जगहों पर 1-5°C; उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर; मध्य प्रदेश में कई जगहों पर 5°-10°C; ओडिशा, बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय, सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ जगहों पर; झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग जगहों पर।
- हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सौराष्ट्र और कच्छ, झारखंड और बिहार में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-3°C से -6°C) था और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब था। (परिशिष्ट IV देखें)
- भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.0°C नारनौल (हरियाणा) में दर्ज किया गया।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- अगले 48 घंटों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के आस-पास के इलाकों में उत्तर-पूर्वी मानसून की बारिश बंद होने के लिए स्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं।
- दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के ऊपर लक्षद्वीप और केरल तट से सटा हुआ ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण अब निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर कोमोरिन क्षेत्र के ऊपर स्थित है।
- उत्तर-पूर्वी ईरान और आसपास के इलाकों में एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्षोभ अब निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर अफगानिस्तान और आसपास के पाकिस्तान और पड़ोसी क्षेत्रों के ऊपर स्थित है, जिसकी धुरी मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर है और अब लगभग देशांतर 60°E के साथ अक्षांश 25°N के उत्तर में चल रही है।
- एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और आसपास के दक्षिण पाकिस्तान के ऊपर स्थित है।
- औसत समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 145 समुद्री मील की मुख्य हवाओं के साथ उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम उत्तर-पूर्वी भारत के ऊपर बनी हुई है।
- दो पश्चिमी विक्षोभ क्रमशः 19 और 21 जनवरी, 2026 की रात से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है।

ऊपर बताए गए प्रणालियाँ, के असर से, ऐसा मौसम रहने की संभावना है:

- 17 से 22 तारीख के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश में हल्की/मध्यम छिटपुट से लेकर कहीं-कहीं बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है; और 23 तारीख को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश/बर्फबारी के साथ कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है।
- 17 और 18 तारीख को उत्तराखंड में भी हल्की/मध्यम छिटपुट से लेकर कहीं-कहीं बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है और 21 से 23 तारीख के दौरान छिटपुट/काफी व्यापक बारिश हो सकती है।
- 22 और 23 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और 23 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान में हल्की/मध्यम छिटपुट से लेकर कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में लगभग 2°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है, अगले 3 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा और उसके बाद के 2 दिनों में 3-5°C की बढ़ोतरी होगी।
- अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; अगले 4 दिनों के दौरान 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और उसके बाद के 2 दिनों में कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- देश के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- 18 तारीख तक पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के अलग-अलग/कुछ हिस्सों में सुबह/रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है और 22 जनवरी 2026 तक पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- 19 तारीख तक उत्तर प्रदेश के अलग-अलग/कुछ हिस्सों में सुबह/रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है और 20 जनवरी 2026 तक उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा रहेगा।
- जम्मू डिवीज़न और उत्तराखंड के अलग-अलग/कुछ इलाकों में 19 तारीख तक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 23 तारीख तक; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 19 तारीख तक; बिहार में 21 तारीख तक और असम और मेघालय में 18 जनवरी तक सुबह/रात के समय घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।
- 17 तारीख को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर; 17 और 18 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोल्ड डे की स्थिति रहने की संभावना है।

- 17 और 18 जनवरी को पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के अलग-अलग इलाकों के कुछ/कई हिस्सों में शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है।

दिल्ली/एनसीआर में 17-20 जनवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 17 जनवरी से 22 जनवरी, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

- **बंगाल की खाड़ी:** कोई चेतावनी नहीं।
- **अरब सागर:** 17 जनवरी, 2026 को मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन इलाके के कुछ हिस्सों में।

अनुलग्नक I

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	17- Jan	18- Jan	19- Jan	20- Jan	21- Jan	22- Jan	23- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT
14	PUNJAB	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	FWS	WS
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

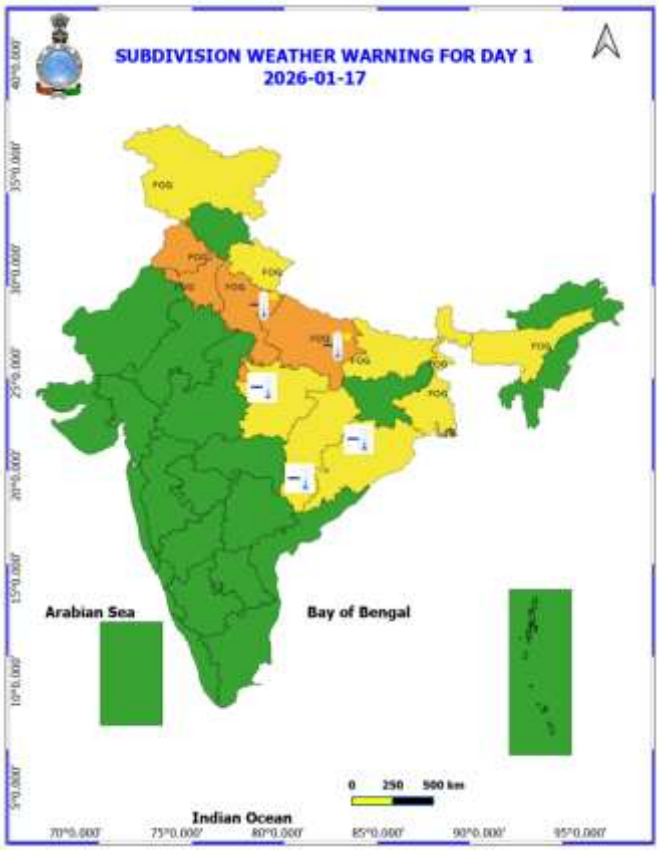
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-01-17
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

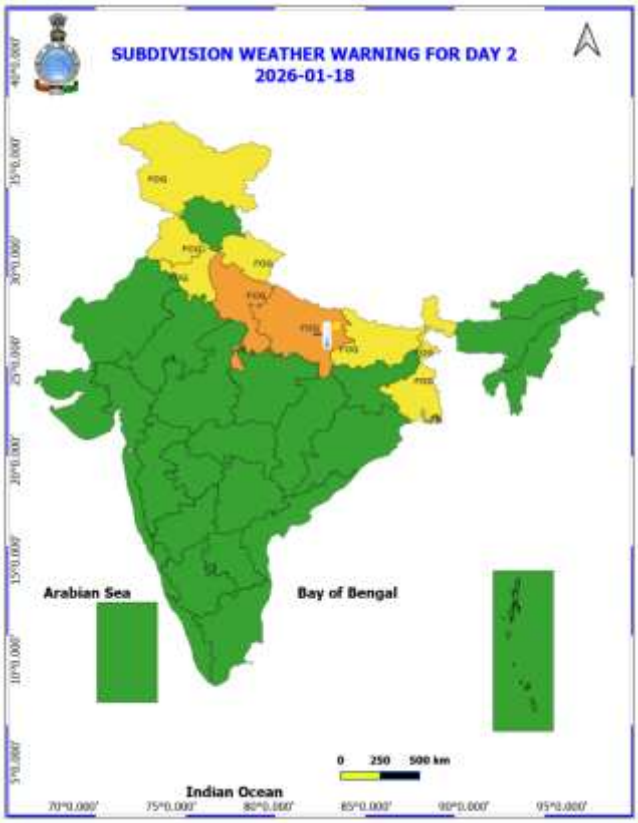
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-01-18
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

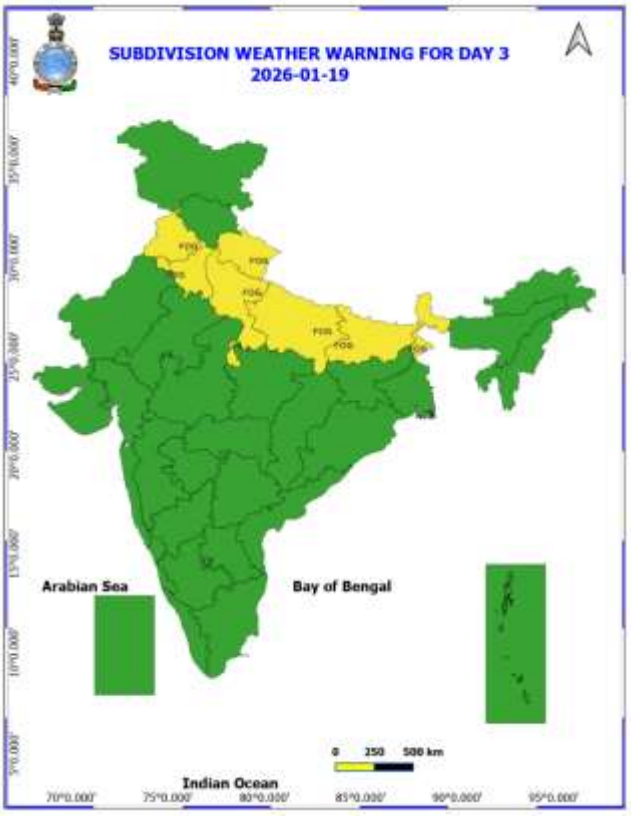
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-01-19
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

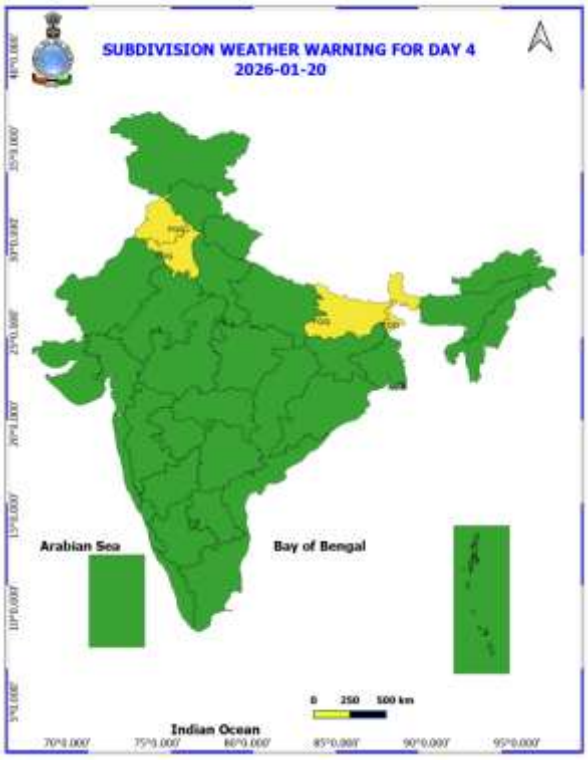

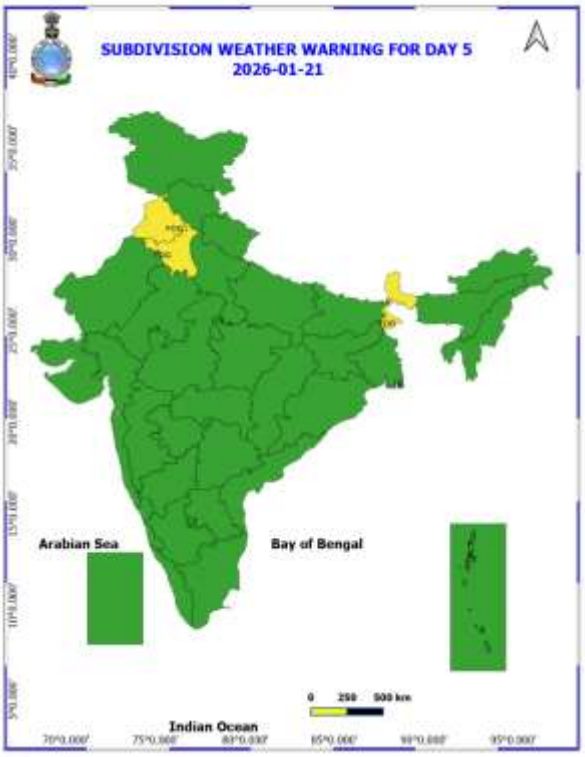

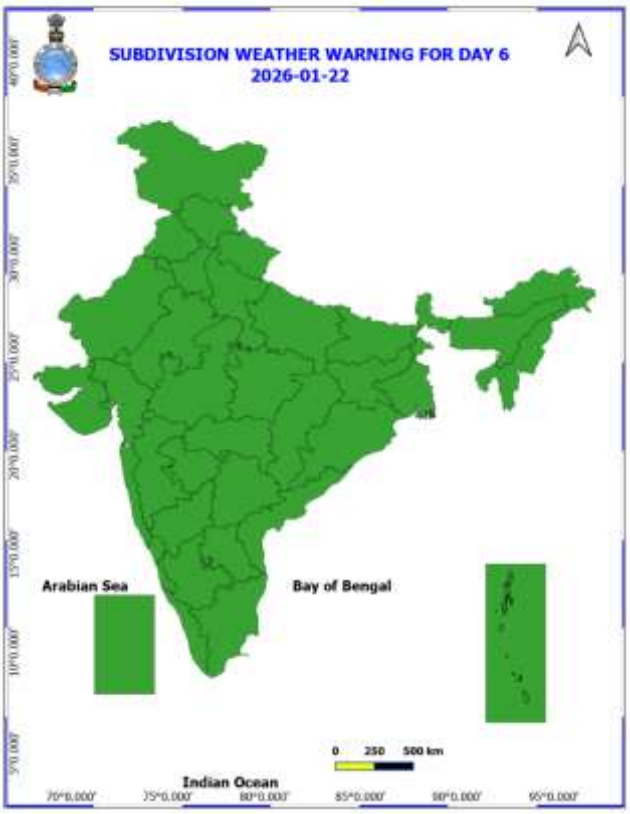

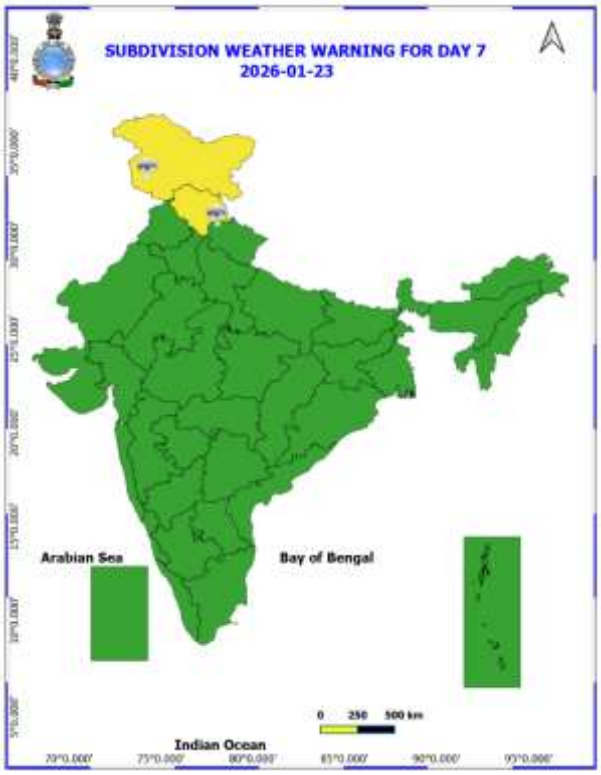

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

17 से 20 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ और अधिकतम तापमान में 2-3°C तक की बढ़ोतरी हुई। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19°C से 22°C और 04°C से 06°C के आसपास रहा। दिल्ली में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1 से -5.0) और कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) रहा। अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। सफदरजंग में 0900 IST से 0930 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 200m रही, जो इसके बाद आज, 17.01.2026 को 1000 IST पर 300m हो गई। पालम में 0630 IST से 0730 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 350m रही, जो इसके बाद आज, 17.01.2026 को 0800 IST पर 400m हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान मुख्य रूप से आसमान साफ रहा और हल्की धुंध छाई रही, सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। आज सुबह क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हवा पूर्व दिशा से 8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली।

मौसम पूर्वानुमान:

17.01.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। रात में धुंध/हल्की धुंध रहेगी। अधिकतम तापमान 20°C से 22°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम रफ्तार से चलने की संभावना है। शाम और रात में हवा की गति कम होकर पूर्व दिशा से 5 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

18.01.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई जगहों पर हल्की धुंध और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21°C से 23°C और 04°C से 06°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 08 किमी प्रति घंटे से कम होगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर पूर्व दिशा से 05 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

19.01.2025: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21°C से 23°C और 06°C से 08°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा शांत रहने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 08 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 05 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

20.01.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21°C से 23°C और 06°C से 08°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा शांत रहने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर दिशा से 08 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर उत्तर दिशा से 05 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

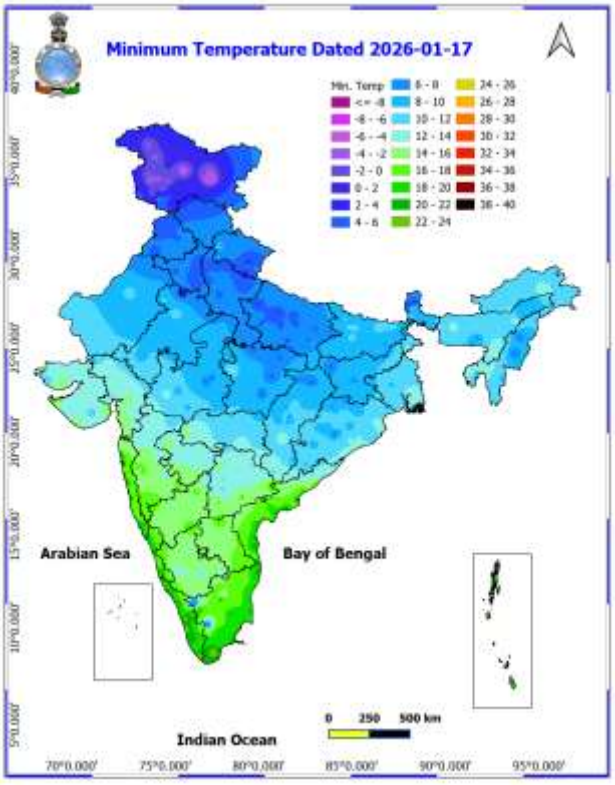

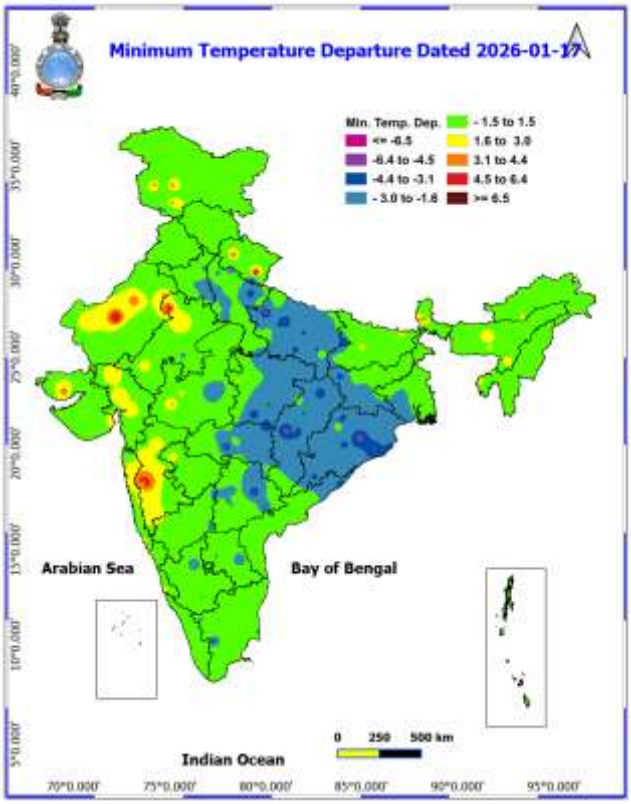

आज, 17.01.2026 को 0830 बजे IST पर भारत के मैदानी इलाकों में दर्ज किया गया न्यूनतम तापमान:

Station	State	Temperature (°C)
NARNAUL	HARYANA	3.0
AMRITSAR	PUNJAB	4.4
MUZAFFAR NAGAR	UTTAR PRADESH	4.4
SAFDARJUNG	DELHI	4.4
LUCKNOW_AMAUSI	UTTAR PRADESH	4.4
NAJIBABAD	UTTAR PRADESH	4.5
AMBIKAPUR	CHHATTISGARH	4.7
UMARIA	MADHYA PRADESH	4.8
KARNAL	HARYANA	4.9
KANPUR	UTTAR PRADESH	4.8
PRAYAGRAJ	UTTAR PRADESH	4.6

सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

❖ अगले 4-5 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में घना कोहरा छाए रहने की बहुत ज़्यादा संभावना है।

परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

• वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
• वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
• अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

• रखरखाव टीम को तैयार रखना।
• मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में शीतलहर की स्थिति जारी रहने की बहुत संभावना है और उसके बाद इसमें कमी आएगी।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में बहुत ज़्यादा ठंड पड़ने की संभावना है।

लंबे समय तक शीत दिवस के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

- ❖ कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- ❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- ❖ कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

ठंडी लहरों/ग्राउंड फ्रॉस्ट/कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, पूर्व मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में खड़ी फसलों को कम तापमान या ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का अनुकूल तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें। सब्जियों की नर्सरी और फलों के नए पौधों को पॉलीथीन शीट से ढक दें।

पशुधन/मुर्गी पालन

- ➢ मवेशियों को रात में शेड में रखें और उन्हें ठंड से बचाने के लिए सूखी बिस्तर दें।
- ➢ पोल्ट्री शेड में आर्टिफिशियल लाइट लगाकर चूजों को गर्म रखें।

आंधी/तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों के पौधों/फल देने वाले पौधों को सहारा दें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

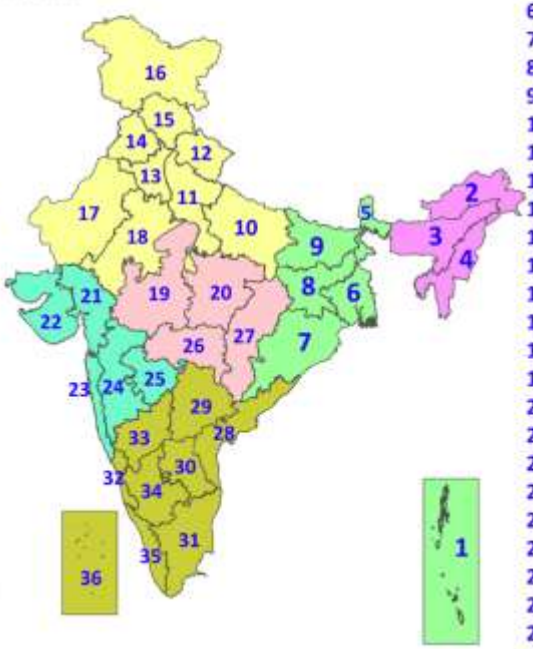

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)